HINDUSTAN PAGE 12

राजनीतिक माहौल से महिला सशक्तीकरण पर कलम चली

लखनऊ विश्वविद्यालय 100 साल
कुछ यादें कुछ किस्से 16

डॉ. अलका सिंह

लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीतिक माहौल ने हमें महिला सशक्तिकरण एवं महिला मुद्दों पर लिखने की प्रेरणा दी। प्रारम्भिक शोध यात्रा के दौरान जब मैं एम फिल इंगलिश की छात्रा थी तब सुजाता भट, कमला दास, वर्जिनिया वूल्फ, मैरी वोस्टन क्राफ्ट, जेएस मिल और अन्य लेखकों को पढ़ा। भारतीय ज्ञान दर्शन और वूमन ऑरिएंटेड दिस्कोर्सेस में सिद्धांतों और व्यवहारिक पहलुओं के अंतर, आत्मिक सवांद पर वूमन का आंकलन करना मेरे विचारों और रचनाओं का हिस्सा बना। तब मेरी कविताएं, रचनाए अपरिपक्व थीं। जो आज एक सम्यक समझ को बलवती करती हैं। सरकार के मिशन शक्ति जैसे कार्यक्रमों से आज खुद को शास्वत शक्ति के प्रवाह के रूप में देखती हूं।

लखनऊ विश्वविद्यालय का छात्र होना स्वतः ही गर्व की बात है। यहां की ज्ञान आभा छात्र छात्राओं को हमेशा अपनी ओर आकर्षित करती है। सही मायनों में विश्वविद्यालय अपने विभागों, भवनों, पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं, म्यूजियम तथा अपनी ऐतिहासिक सांस्कृतिक एवं सामाजिक भूमिकाओं का निर्वहन करने वाला एक अनंत प्रवाह केन्द्र है। यहां से निकले छात्र छात्राएं, प्रतिष्ठित संस्थाओं और इकाइयों का नेतृत्व कर रहे हैं। हमने भी अपनी प्रारम्भिक शोध यात्रा का स्वरूप यहीं निर्धारित किया था। आगे चलकर एफएमएस एच, पेरिस, फ्रांस द्वारा पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप प्राप्त किया। कल्चरल एक्सचेंज के तहत जेंडर स्टडीज एवं महिला मुद्दों पर काम शुरू किए। अंग्रेजी और हिंदी में समान रूप से लेखन कार्य करती हूं। वीमेन एम्पावरमेंट (2018), वीमेन : इश्यूज ऑफ़ एक्सक्लूशन एंड इन्क्लूज़न (2018), वीमेन,सोसाइटी एंड कल्चर (2018), इश्यूज इन कैनेडियन लिटरेचर (2016), जेंडर रोल्स इन पोस्टमॉडर्न वर्ल्ड (2014), पोस्टमॉडर्निज़्म : टेक्स्ट्स एंड कॉन्टेक्ट्स (2008), कलर्स ऑफ़ ब्लड (2020) जैसी आठ पुस्तकें लिखीं। शिक्षण एवं लेखन में दस पुरस्कार/ सम्मान प्राप्त हुए।

(वर्तमान में डॉक्टर अलका सिंह, लोहिया लॉ यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं।)

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

इस साल बहुविकल्पीय होंगी सभी परीक्षाएं

लविवि : बैकपेपर-इम्प्रूवमेंट परीक्षा लिखित प्रणाली पर कराने का आदेश रद्द

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने कोविड-19 महामारी को देखते हुए इस साल अपनी सभी परीक्षाएं ओएमआर शीट पर बहुविकल्पीय प्रणाली पर आयोजित कराने का फैसला किया है। लविवि ने बैकपेपर और इम्प्रूवमेंट परीक्षा लिखित प्रणाली पर कराने संबंधी आदेश शुक्रवार को जारी किया था। इसके अगले ही दिन शनिवार को यह आदेश रद्द करते हुए इसे भी बहुविकल्पीय सवाल आधारित प्रणाली पर कराने का नया आदेश जारी कर दिया गया। जनवरी के तीसरे सप्ताह में होने वाली विषम सेमेस्टर की सभी परीक्षाएं भी बहुविकल्पीय कराने की तैयारी शुरू कर दी गई है। अभी तक लविवि में स्नातक स्तर पर सम सेमेस्टर की परीक्षा ही ओएमआर शीट पर होती है। लविवि ने कोरोना के मद्देनजर अपनी परीक्षा का समय भी एक घंट कर दिया तथा दो प्रश्नपत्रों को भी एक में जोड़ दिया गया है। इसके लिए लविवि कार्य परिषद से मंजूरी ली गई थी। यह व्यवस्था सिर्फ एक बार के लिए थी, लेकिन महामारी की स्थिति को देखते हुए इसे बढ़ा दिया गया।

मुख्य परीक्षा ओएमआर पर, इसलिए किया बदलाव

मुख्य परीक्षा ओएमआर पर बहुविकल्पीय प्रणाली पर हुई थी, इसलिए बैकपेपर परीक्षा भी इसी आधार पर होनी चाहिए। शनिवार को यह बात चर्चा में आई थी। चर्चा के बाद पुराना आदेश बदल दिया गया है। महामारी की स्थिति अभी भी चल रही है, इसलिए विषम सेमेस्टर की परीक्षा भी ओएमआर पर कराई जाएगी। इसकी तैयारी की जा रही है।
- प्रो. एएम सक्सेना, परीक्षा नियंत्रक लविवि

एलएलबी के छात्रों ने जताया एतराज

लविवि में ओएमआर पर हुई परीक्षा के बाद घोषित किए गए रिजल्ट में एलएलबी के काफी विद्यार्थी फेल हो गए थे। इनका कहना था कि उनकी पढ़ाई लिखित प्रणाली के हिसाब से हुई थी पर अचानक उन्हें बहुविकल्पीय परीक्षा देने को कहा गया। इस वजह से काफी संख्या में विद्यार्थी फेल हो गए और काफी लोगों की बैक आ गई है। विद्यार्थियों की मांग के बाद स्पेशल बैक पेपर की परीक्षा कराई जा रही है। शुक्रवार को विद्यार्थियों की मांग के हिसाब से लिखित परीक्षा आयोजित कराने की बात कही गई। मगर शनिवार को यह आदेश बदल दिया गया है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि विद्यार्थी इसका विरोध करेंगे।

12 पीजी पाठ्यक्रमों में दाखिले कल से, छात्र जमा करें फीस

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक स्तर के 12 पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए फीस सोमवार शाम चार बजे से जमा की जा सकेगी। इन पाठ्यक्रमों में सीट के मुकाबले कम आवेदन होने की वजह से प्रवेश परीक्षा का आयोजन नहीं किया गया था। इसलिए इनमें दाखिले के लिए फीस जमा करने की तारीख तय कर दी गई है।

लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि आचार्य, एमए अरब कल्चर, एमए अरेबिक, एमए डिफेंस स्टडीज, एमए लिंग्विस्टिक, एमए मॉडर्न अरेबिक, एमए पर्शियन, एमए फिलॉसफी, एमए संस्कृत, एमए उर्दू, एमए पापुलेशन स्टडीज, एमएससी बायोस्टेट पाठ्यक्रम में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को सीधे दाखिला मिल जाएगा। इसके लिए उन्हें न्यूनतम अर्हता पूरी करनी होगी।

आज बाकी पाठ्यक्रमों की कटऑफ की उम्मीद

लविवि में अन्य परास्नातक पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए कट ऑफ रविवार को जारी की जा सकती है। लविवि ने परिसर के साथ ही कॉलेज में दाखिले के लिए केंद्रीकृत काउंसलिंग शुरू की है। इसके लिए डॉक्यूमेंट अपलोड करने के साथ ही विकल्प भी भराए गए हैं।

कोविड के कारण परीक्षा से छूटे छात्रों को मौका

लविवि ने कोरोना संक्रमण की वजह से अपनी परीक्षा न दे पाने वाले विद्यार्थियों को एक मौका दिया है। इन विद्यार्थियों को अपनी रिपोर्ट के साथ 10 दिसंबर तक परीक्षा नियंत्रक को प्रार्थना पत्र देना होगा। इनकी विशेष परीक्षा कराई जाएगी।

JAGRAN CITY PAGE I & III

विवि में नए अध्यापकों को मिलेगा पढ़ाने का मौका

विश्वविद्यालय में अध्यापकों की घटती संख्या और विद्यार्थियों की बढ़ती तादाद के बीच सामंजस्य बैठाने के लिए नए साल में 300 नए अध्यापकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। करीब 180 स्थाई और 160 के करीब संविदा अध्यापकों की भर्ती होगी। सबसे पहले कॉमर्स और इंजीनियरिंग विभाग में भर्ती होगी। धीरे-धीरे अन्य विभागों में भी अध्यापक नियुक्त होंगे। आवेदन प्राप्त किए जा चुके है, जल्द ही साक्षात्कार भी होंगे।

लविवि ने अध्यापक भर्ती प्रक्रिया अगस्त में शुरू की थी, जिसके तहत 180 स्थाई शिक्षक भर्ती किए जाने थे। इसके साथ ही 160 के करीब संविदा शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया भी शुरू की गई। पूरी प्रक्रिया लविवि के विशेष पोर्टल के जरिए की गई है, जिसमें अभ्यर्थी को परिसर में आने की जरूरत नहीं है। मानव दखल को बहुत कम कर दिया गया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्वविद्यालय में करीब 345 अध्यापक है, मगर यह संख्या बहुत कम है। विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जबकि अध्यापक उनके मुकाबले नहीं बुलाए गए हैं। नई भर्ती को तत्काल करना हमारी जरूरत है। उन्होंने बताया कि खासतौर पर कॉमर्स और इंजीनियरिंग जैसे विभागों में नए अध्यापकों की बहुत आवश्यकता है। कॉमर्स की मांग बहुत बढ़ गई है। विद्यार्थी बहुत अधिक हैं। वहां पर हम सबसे पहले शिक्षकों की व्यवस्था करेंगे। यही नहीं इंजीनियरिंग का पहला फर्स्ट ईयर का बैच आने वाला है। जिसका अर्थ है करीब साढ़े 450 विद्यार्थी एकदम से बढ़ेंगे। वहां भी हमको नए अध्यापक देने होंगे, इसलिए भर्ती प्रक्रिया को बहुत जल्दी समाप्त किया जाएगा। इसमें सबसे पहले संविदा भर्तियों को प्राथमिकता दी जा रही है। ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

नए साल का तोहफा

- करीब 180 स्थाई और 160 के करीब संविदा अध्यापकों की भर्ती होगी
- पूरी प्रक्रिया लविवि के विशेष पोर्टल के जरिए की, जल्द होंगे साक्षात्कार

'ज्ञान, शील व एकता के सबसे बड़े उदाहरण बाबा साहब'

लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने लविवि को कडाके बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर ही ज्ञान, शील और एकता के सबसे बड़े उदाहरण हैं। वह आज नहीं हैं, मगर उनका व्यक्तित्व ही अपने आप में एक सकारात्मक संदेश है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद लखनऊ इकाई द्वारा बाबा साहब के परिनिर्वाण दिवस की पूर्व संध्या पर गोप्ती एवं चांटर मॉकिंग प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय रहे। उन्होंने बताया कि महापुरुषों की जयंती या पुण्यतिथि क्यों मनाई जाती है, उन्होंने समझाया कि यह महापुरुषों से प्रेरणा लेने का कारक होता है। विशिष्ट अतिथि लोक भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राकेश द्विवेदी ने कहाकि विद्यार्थी परिषद ने अपने स्थापना काल से ही समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करने का प्रयास किया है। विद्यार्थी परिषद बाबा साहब भीमराव आंबेडकर को पुण्यतिथि को सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाता रहा है। मुख्य वक्ता प्रो. एपी तिवारी ने बाबा साहब द्वारा बताए गए विभिन्न आयामों जैसे कृषि, युद्ध, अर्थव्यवस्था, समरसता एवं समाज शास्त्र जैसे विषयों पर उनके दर्शन को बताया। उन्होंने बताया कि किस जीएसटी के अंतर्गत केंद्र और राज्य के बीच में वित्तीय वितरण होना चाहिए। लविवि विधि संकाय के असिस्टेंट प्रो., वरुण ने अपने स्वागत भाषण में सविधान की महत्ता को समझाया।

कार्यक्रम में रजाडाम महादान विष्य पर चांटर मॉकिंग प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम किया गया। श्रेत में महानगर अध्यक्ष डॉ. मंजुला उपाध्याय ने सभी का आभार प्रांपित किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता को संयोजक डॉ. वी सिंह, प्रांत कोषाध्यक्ष डॉ. शिवकुमार, डॉ. संजय बाजपई, डॉ. दीपा द्विवेदी, डॉ. संजय, डॉ. प्रवीण सिंह, महानगर मंत्री अभिमन्यु प्रताप सिंह, कामायनी व सृष्टि सिंह मौजूद रहे।

बाबा साहेब ज्ञान, शील और एकता का सबसे बड़ा उदाहरण : कुलपति

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। ज्ञान, शील और एकता का यदि समाज में कोई उदाहरण देखना है तो बाबा साहेब से बेहतर शख्सियत कोई और नहीं हो सकती है। ये बातें लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शनिवार को आयोजित गोष्ठी व पोस्टर लेखन प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में कही।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि को समरसता दिवस के रूप में मनाता है। इसकी पूर्व संध्या पर महानगर इकाई की ओर से विवि के मालवीय सभागार में समारोह का आयोजन किया गया था। मुख्य वक्ता प्रो. एपी तिवारी ने बाबा साहब द्वारा बताए गए विभिन्न आयामों जैसे कृषि, युद्ध, अर्थव्यवस्था, समरसता एवं समाज शास्त्र जैसे विषयों पर उनके दर्शन को समझाया। विशिष्ट अतिथि डॉ. राकेश द्विवेदी ने विद्यार्थी परिषद के कार्यों को विस्तार से बताया। महानगर अध्यक्ष डॉ. मंजुला उपाध्याय ने आभार जताया। प्रतियोगिता की संयोजक डॉ. विभावरी सिंह, प्रांत कोषाध्यक्ष डॉ. शिवकुमार, डॉ. संजय बाजपई, डॉ. दीपा द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते लविवि वीसी।

लविवि ने पीजी पाठ्यक्रमों की मेरिट लिस्ट जारी की

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने पीजी के उन सभी पाठ्यक्रमों की मेरिट लिस्ट जारी कर दी है जिनकी प्रवेश परीक्षा नहीं हुई थी। शनिवार को इनकी मेरिट लिस्ट लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई। विश्वविद्यालय प्रवक्ता प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि छात्र वेबसाइट पर मेरिट लिस्ट देख सकते हैं। 7 दिसंबर शाम 4:00 बजे से फीस भी जमा कर सकेंगे।

AMRIT VICAR PAGE 3

पुत्र ने पिता की सौ साल पुरानी डिग्री एलयू को सौंपी

अमृत विचार लखनऊ

- कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने किया स्वागत

लखनऊ विश्वविद्यालय में एक बेटे ने अपने पिता की 100 साल पुरानी डिग्री व मार्कशीट विश्वविद्यालय को कुलपति को सौंपी। इस बारे में विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सिराज उद्दीन अहमद के पुत्र कर्नल फसीह अहमद ने कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के साथ भेंट की और उनके पिता की इंटरमीडिएट, बैचलर ऑफ साइंस और बैचलर ऑफ लॉ की मूल डिग्रियां विश्वविद्यालय को सौंपी। उत्कृष्ट रूप से संरक्षित 100 साल पुरानी पहली डिग्री कर्नल फसीह के पिता की कैनिंग कॉलेज से मिले इंटरमीडिएट की डिग्री है। दूसरी डिग्री कैनिंग कॉलेज से नवंबर 1920 में लखनऊ विश्वविद्यालय बने इस संस्था की पहले स्नातक पाठ्यक्रम की डिग्रियों में से एक है। कर्नल फसीह ने, जो खुद लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र थे, अपने पिता द्वारा परिसर के बारे में बताए गए किस्सों की याद ताजा की और कहा कि कैसे विश्वविद्यालय उनके जीवन में एक प्रारंभिक शक्ति रहा है। श्री अहमद ने 1920 में अपना इंटर पास किया और लखनऊ के नवगठित विश्वविद्यालय में पहले स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम में दाखिला लिया। उन्होंने 1922 में विषयों के रूप में रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान और जूलॉजी के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की और 1925 में अपनी व्यावसायिक विधि की डिग्री पूरी की। उसी वर्ष उन्हें इम्पीरियल पुलिस बल के लिए चुना गया और जिस दिन भारत ने स्वतंत्रता हासिल की, वे उत्तर प्रदेश के पहले भारतीय डीआईजी बने । प्रो राय ने कर्नल फसीह को शताब्दी वर्ष में योगदान के लिए धन्यवाद दिया।

वस्तुनिष्ठ आधार पर होंगे बैक पेपर

स्नातक के बैक और इंप्रूवमेंट पेपर को लेकर अपने एक दिन पुराने आदेश को लविवि प्रशासन ने ठीक दूसरे दिन ही पलट दिया। इस वजह से राजधानी के लाखों विद्यार्थी पूरे दिन असमंजस में रहे कि आखिर उनकी परीक्षाओं का अब क्या होगा? लविवि प्रशासन के अनुसार, कुछ तकनीकी गड़बड़ियों के चलते भ्रम हो गया था, जिससे गलत जानकारी जारी कर दी गई।

लविवि द्वारा शुक्रवार को सूचना जारी की गई थी कि बीए, बीकॉम और बीएससी के बैक और इंप्रूवमेंट पेपर थ्योरी आधारित होंगे। इसमें नई पद्धति का उपयोग नहीं किया जाएगा। यही नहीं विधि त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के छठे सेमेस्टर के बैक और इंप्रूवमेंट पेपर भी थ्योरी आधारित ही करवाए जाएंगे। लविवि के परीक्षा नियंत्रक एमके सक्सेना ने बताया कि विधि त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के छठे सेमेस्टर की परीक्षा जून में आयोजित की गई थी, जिसमें परीक्षा परिणाम को लेकर गठित की गई कमेटी की संस्तुति पर हो रहे बैक, इंप्रूवमेंट और एक्जेंप्टेड पेपर में भी थ्योरी प्रणाली का ही उपयोग किया जाएगा, मगर शनिवार को इसके ठीक उलट जानकारी दी गई है। अब ये सभी परीक्षाएं वस्तुनिष्ठ आधार पर आयोजित की जाएंगी। पूर्व में भी ये परीक्षाएं इसी पैटर्न पर आयोजित की गई थीं, इस वजह अब आगे भी इसी तरह से परीक्षाएं आयोजित होंगी।

लविवि

- पहले आदेश दिया कि बीए, बीकॉम और बीएससी के बैक और इंप्रूवमेंट पेपर होंगे थ्योरी आधारित
- शनिवार को नए आदेश में कहा गया, पूर्व की तरह वस्तुनिष्ठ आधार पर होंगी ये परीक्षाएं

TOI PAGE 2

LU to continue with MCQ-based exams

Lucknow: The multiple-choice questions based exams will continue in Lucknow University in next semester too. Following government directions, LU had conducted examinations in MCQ format only for final year students in August and had promoted the remaining students. A similar pattern will be followed in which all students will have to write the objective-type examination. "The Covid-19 pandemic has not subsided yet, hence for the safety of students, the examination will be of less duration and objective one," said an LU official. TNN

A walk to celebrate LU's 100 years in the city

Dr Neeraj Jain

Prof Rajiv Manohar (L) and Dr SA Rizvi

The Lucknow University organised a Centennial walk on Sunday morning that began from the campus and ended at the Governor's House. Participants included Alok Kumar Rai, LU VC, Prof Neeraj Jain, Chairman of the Centennial Sports Committee, faculty and students of the university.

The group walked all the way from LU, passing Hanuman Setu, Hazratganj and reached the Governor's House where they were greeted by Anandi Ben Patel, Governor, UP and were hosted for tea by her.

Siraj Fatima (L) and Shikha Rani

Dr Ritu Narang